प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– कौशाम्बी व फतेहपुर, उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / 9267 दिनांक : 07.02.2020

विषय : राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा जनवरी 2020 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने व कृत कार्यवाही से अवगत कराने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 20 से 22 जनवरी 2020 के मध्य जनपद– कौशाम्बी व दिनांक 23 से 24 जनवरी 2020 के मध्य जनपद– फतेहपुर में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये। (विवरण संलग्न)

कृपया भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों को एवं दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–भ्रमण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक चिकि0 एवं स्वा0 सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
3. मण्डलायुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज ।
4. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– कौशाम्बी व फतेहपुर।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रयागराज मण्डल को इस निर्देश के साथ कि दिये गये सुझावों के सम्बंध में एक सप्ताह के अन्दर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें ।
6. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज।
8. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद– कौशाम्बी व फतेहपुर।

(डा0 वेदप्रकाश)
मण्डलीय नोडल – प्रयागराज
महाप्रबन्धक
आर0आई0 एवं बाल स्वास्थ्य

जनपद–कौशाम्बी

भ्रमण अवधि– दिनांक 20.01.2020 से 22.01.2020

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री सत्येन्द कुमार, परामर्शदाता, मातृत्व स्वास्थ्य।
2. श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, परिवार नियोजन।

जनपद स्तरीय टीम

1. श्री ओ0पी0राव, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0।
2. श्री संजय कुमार, जिला कम्युनिटी प्रासेस प्रबन्धक, एन0एच0एम0।
3. श्री देवप्रकाश, एफ0पी0 एण्ड एल0एम0आई0एस0 प्रबन्धक।
4. श्री अभय कुमार कन्नौजिया, डाटा कम अकाउण्ट सहायक, अरबन हेल्थ, एन0एच0एम0।

पर्यवेक्षण के दौरान आच्छादित की गई इकाईयॉ

1. जिला संयुक्त चिकित्सालय।
2. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –सिराथू।
3. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –चायल।
4. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– गॉधीनगर, मन्झनपुर।
5. उपकेन्द्र, गुवारा, मन्झनपुर।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में राज्य स्तरीय टीम सदस्य सत्येन्द्र, परामर्शदाता–मातृ स्वास्थ्य एवं अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, परिवार नियोजन द्वारा दिनांक 20 से 22 जनवरी 2020 के मध्य जनपद कौशाम्बी का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन किया गया। भ्रमण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी को डिब्रीफिगं भी किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

कौशाम्बी सपोर्टिव सुपरविजन विजिट के मुख्य बिन्दु

1. सिराथू में लेबर रुम में उपलब्ध स्टूल आदि पर डस्ट पायी गयी। लेबर रुम के अटैच टायलेट बन्द किये गये हैं व बाहर का टायलेट भी गन्दा था।
2. भ्रमण की गयी चिकित्सा इकाईयों में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन फॉलोअप बहुत कम किये जा रहे हैं।
3. जिला संयुक्त चिकित्सालय कौशाम्बी के अतिरिक्त, जनपद की भ्रमण की गयी चिकित्सा इकाईयों के परिसर में साफ–सफाई ब्यवस्था संतोषजनक नही पायी गयी।
4. जनपद कौशाम्बी में जिला लेखा प्रबन्धक व सिराथू में ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर में चिकित्सक का पद रिक्त है। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा जनपद के एम0सी0एच0विंग में मानव संसाधन व अन्य रिसोर्सेज के साथ डी0पी0एम0यू0 हेतु कम से कम तीन दिवस के लिए जिला लेखा प्रबन्धक समीपवर्ती जनपद से सम्बद्व किये जाने का अनुरोध किया गया।
5. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चायल में पूर्व में किये गये नसबन्दी रिकार्ड में अधिकांश सूचनायें नहीं भरी गयी थीं। लाभार्थियों का भुगतान किया जा चुका है, परन्तु प्रभारी चिकित्साधिकारी व लिपिक द्वारा सम्बन्धित प्रपत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये गये थे। लाभार्थियों को नसबन्दी का प्रमाणपत्र वितरित नहीं किया गया था।
6. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चायल में पी0पी0एच0 के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सों को प्रयाप्त जानकारी नहीं थी।
7. भ्रमण की गयी चिकित्सा इकाईयों में स्थापित कण्डोम बाक्सेज नियमित रुप से नहीं भरे जा रहे हैं।
8. भ्रमण की गयी चिकित्सा इकाईयों में डाईट रजिस्टर में प्रेषित दिशा–निर्देश के अनुरुप समस्त कालम नहीं भरे जा रहे हैं व नियमित रुप से प्रभारी चिकित्साधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर भी नहीं किये जा रहे है।
9. भ्रमण की गयी चिकित्सा इकाईयों पर समस्त कार्यक्रमों की उपलब्ध विभिन्न आई0ई0सी0 पर्याप्त नहीं थी व अपडेटेड भी नहीं थी।
10. आर0बी0एस0के0 टीमों द्वारा अभिलेखों को पूर्णरुप से नहीं भरा जा रहा है।
11. पुराने प्रसव रजिस्टर मेण्टेन किये जा रहे हैं।
12. जिला संयुक्त चिकित्सालय में एन.आर.सी.साफ–सुथरा पाया गया। एन.आर.सी.में संदर्भित मरीजों की संख्या विगत तीन महीनों में कम हुई है। आशाओं का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।
13. बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ को पूर्ण जानकारी नहीं थी।
14. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपदीय परामर्शदाता मातृ स्वास्थ्य द्वारा चिकित्सालय में अधिक भ्रमण करने की जरुरत है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –सिराथू,सम्पर्क अधिकारी–डा0 हेमन्त, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
चिकित्सालय के सम्पर्क मार्ग का बोर्ड क्षतिग्रस्त पाया गया। मुख्य प्रवेश द्वार का बोर्ड लगा ही नहीं था।	बोर्ड एवं साइनेज मरम्मत कराकर यथास्थान लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक नही पायी गयी।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया व भ्रमण में दिये गये सुझावों पर बिन्दुवार सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने का भी अनुरोध किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0का प्रदर्शन नहीं किया गया था। हेल्पडेस्क की व्यवस्था नहीं थीं।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा हेल्पडेस्क की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
कण्डोम बाक्स नहीं लगा था।	औषधि वितरण कक्ष के बाहर व अन्य वेटिंग एरिया में कण्डोम बाक्स लगवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
आई0ई0सी0ः–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध थी। किन्तु पर्याप्त नहीं थी व अपडेटेड भी नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान दीवार लेखन या फ्लैक्स पेपर पर डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Bins उपलब्ध थीं। डस्ट बिन में अलग–अलग रंग की पॉलीथिन थी। बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने व ColourCodedBins की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
लेबर रूमः– लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया प्रत्येक बेड के पास कर्टेन आदि अव्यवस्थित पायी गयी। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उपस्थित स्टाफ नर्सो को भी उचित जानकारी नहीं थी। **लेबर रुम से अटैच टायलेट उपयोग नहीं किया जा रहा है।**	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व लेबर रुम प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु सुझाव दिया गया। अटैच टायलेट उपयोग किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
लेबर रुम में उपलब्ध स्टूल आदि पर डस्ट पायी गयी। लेबर रुम के बाहर का टायलेट भी गन्दा था।	संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
सफाईकर्मी द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है।	सफाईकर्मी की व्यवस्था व उनके द्वारा नियमित सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
भर्ती प्रसूताओं को भोजन नाश्ता आदि प्रदान किया जा रहा है। डाइट रजिस्टर पर नियमित रुप से प्रभारी द्वारा हस्ताक्षर नहीं किये जा रहे है।	डाईट नियमानुसार नियमित रुप से प्रदान करने का सुझाव दिया गया। डाईट रजिस्टर के समस्त कालम को भरवाते हुए चिकित्सा अधीक्षक से सत्यापित कराये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
मानकानुसार नवीन डिलेवरी रजिस्टर, रेफरल रजिस्टर, केशशीट, ए0एन0सी0 रजिस्टर नही भरा जा रहा था।	मानकानुसार नवीन डिलेवरी रजिस्टर, केशशीट रेफरल रजिस्टर, ए0एन0सी0 रजिस्टर आदि भरे जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
परिवार नियोजनः–		
फेमिली वेलफेयर काउन्सलर द्वारा काउन्सलिंग रजिस्टर भरा जा रहा है। परन्तु दैनिक समरी शीट नहीं भरी जा रही है। काउन्सलर द्वारा वार्ड में भर्ती प्रसूताओं की काउन्सलिंग की गई थी। काउन्सलर	दैनिक समरी शीट भरने व फार्मासिस्ट को फ्री सप्लाई का कण्डोम उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ

कक्ष में आशा सप्लाई के कण्डोम पाये गये।		
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन फॉलोअप बहुत कम किये जा रहे हैं। समस्त लाभार्थियों का बैंक खाता संख्या व आधार नम्बर भी अंकित नहीं था।	फालोअप तथा बैंक खाता संख्या व आधार नम्बर भी अंकित किये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
आर0आई0:–		
टीकाकरण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन पर्याप्त नहीं था। समस्त फ्रीज कार्य करते हुए पाये गये तथा उनमें वैक्सीन उपयुक्त प्रकार से रखी हुई पाई गई। लागबुक मेण्टेन थीं।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्शित किया जाये।	सम्बन्धित स्टाफ
आर0बी0एस0के0		
आर0बी0एस0के0 टीमों द्वारा अभिलेखों को पूर्णरुप से नहीं भरा जा रहा है।	आर0बी0एस0के0 टीमों द्वारा समस्त अभिलेखों को पूर्णरुप से भरने हेतु सुझाव दिया गया।	आर0बी0एस0के0 टीम

संलग्नक–चेकलिस्ट।

जिला संयुक्त चिकित्सालय –कौशाम्बी **सम्पर्क अधिकारी**–डा0 दीपक सेठ, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया व भ्रमण में दिये गये सुझावों पर बिन्दुवार सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने का भी अनुरोध किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक व हास्पिटल मैनेजर
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी, किन्तु शिकायतें नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक व हास्पिटल मैनेजर
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले था। ई0डी0एल0 का अपडेटेड प्रदर्शन नही किया जा रहा है।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने व प्रतिदिन ई0डी0एल0 अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों की आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	अपडेटेड व विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
मातृत्व स्वास्थ्य–		
लेबर रुम के बाहर रैक में चप्पले , मास्क आदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध थीं। प्रसव कक्ष साफ–सुथरा पाया गया। **परन्तु आशा (रानी) द्वारा चप्पलों में प्रसव कक्ष में प्रवेश किया जा रहा था।**	लेबर रुम के प्रोटोकाल्स प्रतिदिन फॉलो करने का सुझाव दिया गया। ड्यूटी स्टाफ को संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फॉलो करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपदीय परामर्शदाता मातृ स्वास्थ्य द्वारा चिकित्सालय में	परामर्शदाता मातृ स्वास्थ्य द्वारा प्लान बनाकर चिकित्सालय में भ्रमण कर एम0सी0एच0विंग, लेबररुम, वार्ड आदि को मानकानुसार ठीक कराने व	परामर्शदाता मातृ स्वास्थ्य

अधिक भ्रमण करने की जरुरत है।	रिकार्ड अवलोकन करने का सुझाव दिया गया।	
परिवार नियोजन–		
पूरे परिसर में सिर्फ फेमिली वेलफेयर काउन्सलर कक्ष के बाहर कण्डोम बाक्स लगा था व उसमें 05 पैकेट कण्डोम भ्रमण के समय पाया गया।	कण्डोम बाक्स भरवाया गया तथा नियमित रुप से भरने व परिसर के भिन्न– भिन्न वेटिंग एरिया में कण्डोम बाक्स लगवाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक व फार्मासिस्ट
पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन रजिस्टर में सभी लाभार्थियों का बैंक खाता संख्या व आधार नम्बर अंकित नहीं था। लाभार्थियों का फालोअप ड्यू डेट पर नहीं किया जा रहा है। ड्यू डेट से फालोअप रिकार्ड मैच नहीं कर रहे थे। फालोअप काफी कम हैं। फेमिली वेलफेयर काउन्सलर द्वारा अवगत कराया गया कि नर्सिंग स्टाफ के सहयोग की जरुरत है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें। जिला फेमिली प्लानिंग स्पेशलिस्ट–टी0एस0यू0 व एफ0पी0 एण्ड एल0एम0आई0एस0 प्रबन्धक को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक विजिट के दौरान रिकार्ड का अवलोकन कर त्रुटियों को ठीक कराने में मदद करें। वेलफेयर काउन्सलर व नर्सिंग स्टाफ के समन्वय हेतु बैठक कराने का भी सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
वार्ड में भ्रमण के दौरान भर्ती प्रसूता समरोज जहॉ पत्नी जुल्फकार निवासी नारा सिराथू द्वारा अवगत कराया गया कि नसबन्दी फेल होने का भुगतान अभीं तक नहीं हुआ है। प्रसूता द्वारा नसबन्दी कराने हेतु सुझाव दिया गया।	राज्य एंवं जनपद स्तर के सम्बन्धित अधिकारियों से वार्ता कर उक्त के सम्बन्ध में यथास्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा जनपदीय कर्मी की महानिदेशालय, प0क0 के सम्बन्धित कर्मी से वार्ता करायी गयी। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के काफी फार्म में संशोधनोपरान्त भुगतान होना है। संशोधन कराकर पुनः राज्य स्तर पर क्लेम फार्म भेजने हेतु सम्बन्धित लिपिक व एफ0पी0 एण्ड एल0एम0आई0एस0 प्रबन्धक को सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित लिपिक व एफ0पी0 एण्ड एल0एम0आई0एस0 प्रबन्धक
बाल स्वास्थ्य–		
एस0एनसी0यू0 एवं एन.आर.सी.साफ–सुथरा पाया गया। एन.आर.सी.में संदर्भित मरीजों की संख्या विगत तीन महीनों में कम हुई है। आशाओं का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।	आशाओं का अभिमुखीकरण कराते हुए अपेक्षित सहयोग प्राप्त कर लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया गया।	जिला कम्युनिटी प्रासेस प्रबन्धक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Colour Coded Bins की व्यवस्था की गयी थी। किन्तु बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ को पूर्ण जानकारी नहीं थी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	हास्पिटल मैनेजर
डाईट रजिस्टर में जनपद से प्रेषित दिशा–निर्देश के अनुरुप समस्त कालम नहीं भरे जा रहे हैं।	डाईट रजिस्टर के समस्त कालम को भरवाते हुए चिकित्सा अधीक्षक से सत्यापित कराने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ

संलग्नक–चेकलिस्ट।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –चायल

सम्पर्क अधिकारी– डा0 मुक्तेश द्विवेदी, प्रभारी चिकित्साधिकारी।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था काम चलाऊ पायी गयी। **बी0पी0एम0यू0 यूनिट के आसपास सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी।**	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
परिसर के अन्दर शिकायत पेटिका लगी थी, किन्तु शिकायतें नहीं पायी गयीं। शिकायत निवारण कमेटी का गठन रिकार्ड भी देखने को नही मिला।	शिकायत निवारण कमेटी का गठन व रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। ई0डी0एल0 का प्रदर्शन नहीं किया गया था।	जनपद स्तर से 5'5 मैट्रिक्स प्राप्त करने तथा अपडेटेड ई0डी0एल0 का प्रदर्शन दवा वितरण कक्ष के बाहर प्रतिदिन करने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में बायो मेडिकल Bins उपलब्ध थीं। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने व Colour Coded Bins की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
लेबर रूमः– पी0पी0एच0 के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सों को जानकारी नहीं थी। रजिस्टर के अन्त में संक्षिप्त जानकारी प्रपत्र के बारे में उपस्थित स्टाफ नर्सो को भी उचित जानकारी नहीं थी।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व सेवन (सात) ट्रे, एस0बी0ए0 प्रोटाकाल पोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। प्रत्येक माह के अन्त में माह की रिपोर्ट का अंकन करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही जानकारियॉ प्रदान की गईं।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
आर0आई0:–		
टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन पर्याप्त नहीं था। समस्त फ्रीज कार्य करते हुए पाये गये तथा उनमें वैक्सीन उपयुक्त प्रकार से रखी हुई पाई गई। लागबुक मेण्टेन थीं।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान प्रदर्शित किया जाये।	सम्बन्धित स्टाफ
परिवार नियोजन–		
भ्रमण के दौरान कॉट टीम द्वारा नसबन्दी सेवायें प्रदान की जा रही थीं। कॉट टीम द्वारा अधिक संख्या में केसों को रिजेक्ट किया जा रहा था। उक्त दिवस तथा पूर्व में किये गये नसबन्दी रिकार्ड का अवलोकन करने पर पाया गया कि अधिकांश सूचनायें नहीं भरी गयी थीं। लाभार्थियों का भुगतान किया जा चुका है, परन्तु प्रभारी चिकित्साधिकारी व लिपिक द्वारा सम्बन्धित प्रपत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये गये थे। लाभार्थियों को नसबन्दी का प्रमाणपत्र वितरित नहीं किया गया था। अवगत कराया गया कि कॉट टीमों द्वारा एक माह पश्चात अधूरे भरे हुए फार्म जमा किया जाता है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी से अनुरोध किया गया कि ओ0टी0 में जाकर देख लें व रिजेक्ट होने वाले केसेज को ही रिजेक्ट किया जाए। प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा रिजेक्ट किये गये केसेज में से मेडिकल रुप से फिट पाये जाने वाले केसेज की नसबन्दी करायी गयी तथा कॉट टीम को निर्देशित किया गया कि जो केसेज वास्तव में रिजेक्ट होने योग्य हैं, उनके रिजेक्ट होने का कारण मेन्शन करते हुए रिजेक्ट किया जाये। समस्त रिकार्ड निर्धारित समय सीमा में भरे जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा इकाई स्तर पर बी0सी0पी0एम0 को जिम्मेदारी देते हुए कॉट टीमों के माध्यम से पूर्णरुप से आवश्यक सूचनायें भरकर फार्म रिसीव कराने का अनुरोध किया गया।	प्रभारीचिकित्साधिकारी, बी0सी0पी0एम0 व कॉट टीम
कण्डोम बाक्स लगा था। भ्रमण के दौरान कण्डोम बाक्स में कण्डोम भरे हुए पाये गये।	कण्डोम बाक्स में कण्डोम भरवाया गया तथा प्रतिदिन नियमित रुप से भरने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट / सम्बन्धित स्टाफ
बी0पी0एम0यू0 यूनिट भ्रमणः–		
बी0पी0एम0यू0 यूनिट के रिकार्ड का अवलोकन किया गया।	एम0सी0टी0एस0 आपरेटर को निर्देशित किया गया कि पूरे दिन इकाई पर उपस्थित होकर निर्धारित समय सीमा में समस्त इण्ट्री करना सुनिश्चित करें तथा कृत कार्यों से प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवश्य अवगत करायें।	एम0सी0टी0एस0 आपरेटर

संलग्न नेकुशित।

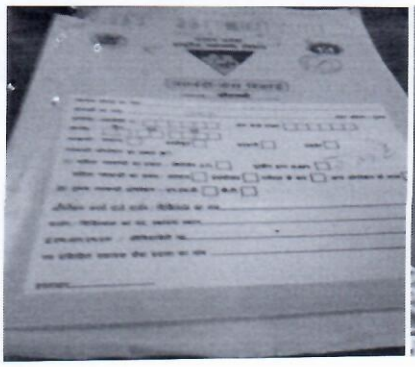

उपकेन्द्र –गुवारा, विकास खण्ड– मन्झनपुर सम्पर्क ए0एन0एम0– श्रीमती मीना देवी।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
उपकेन्द परिसरः–		
परिसर में पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। परिसर में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर निर्माणाधीन है। रंगाई–पुताई काफी पुरानी है। रनिंग वाटर सप्लाई की ब्यवस्था नहीं है।	परिसर की साफ–सफाई मेण्टेन रखने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित ए0एन0एम0
आई0ई0सी0ः–		
परिसर बाजार के नजदीक स्थापित है। भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। उपकेन्द्र का नाम भी बाहर नही लिखा था।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
प्रसव कक्षः–		
ए0एन0एम0 द्वारा प्रसव कराया जा रहा है। समस्त उपकरण एवं प्रसव कक्ष मानकानुसार नहीं पाये गये।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स आदि लगवाने तथा प्रसव कक्ष मानकानुसार मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
ए0एन0सी0ः– गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।	ए0एन0एम0 को जानकारी दी गई व सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया। ब्लाक की नर्स मेन्टर को रोस्टर बनाते हुए ए0एन0एम को उपकेन्द पर भ्रमण करना है।	ए0एन0एम0/ नर्स मेन्टर
परिवार नियोजन–		
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
आई0यू0सी0डी0 बहुत कम लगायी गयी है।	नियमित रुप से आई0यू0सी0डी0 लगाने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
गर्भनिरोधक सामग्रियों के वितरण का रिकार्ड नहीं रखा गया था।	गर्भनिरोधक सामग्रियों के वितरण का रिकार्ड मेन्टेन करने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
रिकार्ड कीपिंग–		
ए0एन0एम0 द्वारा ए0एन0सी0 रजिस्टर, परिवार नियोजन रजिस्टर, स्टाक रजिस्टर, वी0एच0एस0एन0सी0रजिस्टर, सास–बहू सम्मेलन रजिस्टर आदि नहीं दिखाया जा सका।	समस्त रिकार्ड मेण्टेन करते हुए उपकेन्द्र पर रखने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
आशा संगिनी–		
आशा संगिनी सन्तरा देवी को अच्छी जानकारी थी। आशाओं को योजनाओं एवं दी जाने वाली प्रोत्साहन राशियों की पूर्ण जानकारी नियमित रुप से देते रहने का निर्देश दिया गया।	बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0 आदि के माध्यम से समस्त योजनाओं के बारे में आशाओं का क्षमता वर्द्धन किया जाए।	बी0सी0पी0एम0 व एच0ई0ओ0
दवाईयॉ एवं उपकरण		
दवाईयों एवं उपकरणों को बहुत ही अब्यवस्थित तरीके से रखा गया था। काफी मात्र में अवितरित ओ0आर0एस0 पैकेट एवं तीन पैकेट स्ट्रिप्स एवं लेन्सेट के साथ बिना सिल खुले डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर बोरे में बन्द पाया गया जिसकी जानकारी ए0एन0एम0 को नही थी।	दवाईयों एवं उपकरणों का रिकार्ड में रख–रखाव एवं भौतिक अवलोकन नियमित रुप से करते रहने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0
इकाई पर कोई भी जॉच नहीं की जा रहीं है।	ए0एन0एम0 द्वारा उपलब्ध किटों व उपकरणों का प्रयोग करते हुए जॉच करते रहने का सुझाव दिया गया।	ए0एन0एम0

जानकारी का स्तर		
ए0एन0एम0 से प्रश्न पूछे जाने पर गर्भवती महिला को दी जाने वाली ऑयरन एवं कैल्शियम की डोज व ग्लूकोमीटर एवं डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर के प्रयोग की जानकारी का अभाव पाया गया।	स्टाफ को पुनःप्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

संलग्न– चेकलिस्ट।

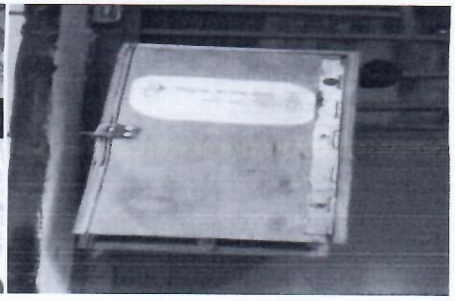

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– मन्झनपुर (गॉधीनगर), सम्पर्क अधिकारी– शुभनेत्र सिंह, फार्मासिस्ट।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर स्वच्छ एवं सभी कक्ष साफ–सुथरे एवं पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। चिकित्सक का पद रिक्त है।	मेण्टेन रखने का सुझाव दिया गया। साक्षात्कार कराकर जल्द नियुक्ति करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी/अर्बन कोआर्डिनेटर
आई0ई0सी0ः–		
आई0ई0सी0 उपलब्ध थे। परन्तु समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 पर्याप्त नहीं थे।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
ओ0पी0डी0–		
ओ0पी0डी0 में फार्मासिस्ट मौजूद थे। ओ0पी0डी0 रजिस्टर प्रिण्टेड नहीं था।	प्रिण्टेड ओ0पी0डी0 रजिस्टर व समस्त प्रिण्टेड रजिस्टर्स उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
परिवार नियोजन–		
कण्डोम व गर्भनिरोधक गोलियों का वितरण किया जा रहा है। आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन की सेवायें कम प्रदान की जा रही हैं।	आशा सप्लाई के गर्भनिरोधक आशाओं के माध्यम से वितरित कराने का सुझाव दिया गया।	अर्बनकोआर्डिनेटर/ सम्बन्धित स्टाफ
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
प्रसव नहीं कराये जा रहे हैं।	प्रेगनेन्सी टेस्ट किट आशाओं के माध्यम से भी उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Colour Coded Bins की व्यवस्था नहीं थी।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट की इकाई के मानकानुसार व्यवस्था किये जाने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
रिकार्ड कीपिंग–		
समस्त बैठकों के रिकार्ड उपलब्ध नहीं थे।	समस्त बैठकों के रिकार्ड मेण्टेन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर अलग से उपलब्ध था।	हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर नियमित अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	स्टाफ नर्स

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में बैठक

- भ्रमण के दौरान पायी गयी जनपद की यथास्थिति से मुख्य चिकिसाधिकारी महोदय को अवगत कराया गया एवं कमियों को दूर किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
- मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा जनपद के एम0सी0एच0विंग में मानव संसाधन व अन्य रिसोर्सेज के साथ डी0पी0एम0यू0 हेतु कम से कम तीन दिवस के लिए जिला लेखा प्रबन्धक समीपवर्ती जनपद से सम्बद्व किये जाने का अनुरोध किया गया। **(अपेक्षित कार्यवाही– राज्य स्तर पर महानिदेशालय एवं एन0एच0एम0)**
- जनपद की समस्त स्वास्थ्य इकाईयों एवं प्रसव कक्ष को मानकानुसार तैयार किये जाने एवं समस्त आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु आग्रह किया गया। जनपद की चिकित्सा इकाईयों पर पुराने प्रसव रजिस्टर मेण्टेन किये जाने तथा एल–1 स्तर की इकाईयों पर एल–2 स्तर का चेकलिस्ट भेजने सम्बन्धी कमियों से अवगत कराया गया।
- जे0एस0वाई0 की उपलब्धि में गिरावट के कारणों को चिन्हित कर उपलब्धि बढ़ाये जाने का सुझाव दिया गया।
- ए.एन.सी. रजिस्टर, प्रसव रजिस्टर, रेफरल रजिस्टर, जे0एस0वाई0 भुगतान आदि का इंचार्ज द्वारा नियमित अवलोकन कर त्रुटियों को ठीक कराया जाये। प्रसूताओं को डिस्चार्ज के समय जे0एस0वाई0 भुगतान प्रमाणपत्र प्रदान किया जाये।
- सभी स्टैण्डर्ड रजिस्टर जनपद स्तर से प्रिण्ट कराकर सम्बन्धित चिकित्सा इकाईयों पर भेजने एवं रजिस्टर्स के सभी कालम भरे जाने का सुझाव दिया गया।
- दिशा निर्देशों का पालन करते हुए ससमय अधिकतम व्यय किया जाना। रोजाना भुगतान तथा लेखांकन किये जाने का अनुरोध किया गया।

AKSrivastava

अखिलेश कुमार श्रीवास्तव
कार्यक्रम समन्वयक, परिवार नियोजन

सत्येन्द कुमार
परामर्शदाता, मातृ स्वास्थ्य

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– कौशाम्बी व फतेहपुर, उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / दिनांक :07 .02.2020

विषय : राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा जनवरी 2020 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने व कृत कार्यवाही से अवगत कराने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 20 से 22 जनवरी 2020 के मध्य जनपद– कौशाम्बी व दिनांक 23 से 24 जनवरी 2020 के मध्य जनपद– फतेहपुर में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु सुझाव सम्बंधित इकाईयों के प्रभारियों तथा जनपदीय टीम को दिये गये। (विवरण संलग्न)

कृपया भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों को एवं दिये गये सुझावों के सम्बंध में कृत कार्यवाही से पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–भ्रमण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / 9267 – 8 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक चिकि0 एवं स्वा0 सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
3. मण्डलायुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज ।
4. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– कौशाम्बी व फतेहपुर।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रयागराज मण्डल को इस निर्देश के साथ कि दिये गये सुझावों के सम्बंध में एक सप्ताह के अन्दर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें ।
6. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज।
8. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद– कौशाम्बी व फतेहपुर।

(डा0 वेदप्रकाश)
मण्डलीय नोडल – प्रयागराज
महाप्रबन्धक
आर0आई0 एवं बाल स्वास्थ्य